संपादकीय

धैर्य का इम्तिहान

सीमा पर पाकिस्तान की एक और कायराना हरकत के बाद अगर देश में गुस्सा है, तो भारत सरकार और भारतीय सेना के संदेश भी साफ और सख्त हैं। देश के हर कोने से आक्रोश भरी आवाजों और पाकिस्तान की हरकत के बाद घाटी में उत्पन्न हालात के बीच सेना ने भी दो टूक जवाब दिया है। सरकार ने घटना के तत्काल बाद ही अपने रुख का संकेत दे दिया और सेना ने समय न गंवाते हुए सोमवार को ही पाकिस्तान की वे दोनों चौकियां ध्वस्त कर दीं, जहां से पाकिस्तानी सैनिकों को उस वक्त कवरिंग फायर मिला था, जब वे पुंछ की कृष्णा घाटी में बीएसएफ चौकियों को निशाना बना रहे थे। वे हमारे दो शहीद जवानों के सिर भी काट ले गए। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के भी सात सैनिक मारे गए। एलओसी पर उपजे तनाव के बीच सख्त रुख दिखाते हुए सरकार ने सेना को जवाब देने की खुली छूट दे दी है और सख्ती से बता दिया है कि भारतीय जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। तनाव के माहौल के बीच जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल एनएन वोहरा गृहमंत्री राजनाथ सिंह से मिले हैं और रक्षा मंत्री अरुण जेटली ने प्रधानमंत्री को ताजा स्थिति से अवगत कराया है। इस घटना के बाद पाकिस्तान सफाई में कुछ भी कहे, लेकिन ठंडे पड़े रिश्तों के बीच यह तनाव बढ़ाने का कारण तो बन ही गया है। क्योंकि सच तो यही है कि ऐसी घृणित कार्रवाई तो सेनाएं युद्धकाल में भी नहीं किया करतीं। पाकिस्तानी सेना ने तो शांति काल में यह बर्बर कार्रवाई की है। बदले हालात को अनुकूल न मानते हुए निर्वाचन आयोग ने 25 मई को प्रस्तावित अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र का उप-चुनाव स्थगित कर दिया है। दरअसल यह समय पाकिस्तानी कायरता और बर्बरता पर करारी कार्रवाई और सख्त संदेश देने का ही वक्त है। यही कारण है कि भारत सरकार ने फिलहाल जैसे को तैसा की तर्ज पर सेना को खुली छूट दे दी है। कृष्णा घाटी की यह हरकत पाकिस्तान की पहली कायराना हरकत नहीं है। 2013 में भी पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम (बैट) ने ऐसी ही बर्बरता शहीद हेमराज के शव के साथ की थी। इस बार भी यह घटिया हरकत बैट ने ही की। यह वही बैट है, जिसके बारे में यह ख्यात है कि इसमें सैनिकों के साथ ही प्रशिक्षित आतंकी भी शामिल हैं। इस घटना के पीछे पाकिस्तान की सोची-समझी उकसाने की साजिश से भी इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह सब उस वक्त हुआ, जब ठीक कुछ देर पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष ने इस इलाके का अपना दौरा खत्म किया था। पाकिस्तान की कायरता और देश में उपजे तमाम आक्रोश के बावजूद भारतीय मानस के धैर्य का इससे बड़ा उदाहरण क्या हो सकता है कि चार साल पहले ऐसी ही बर्बरता का शिकार हुए शहीद हेमराज के परिवार ने इस घटना पर अत्यंत संयत प्रतिक्रिया दी है। उस परिवार की चिंता जायज है कि जब हमारा बेटा शहीद हुआ था, तब एक सिर के बदले दस सिर लाने की बात कही गई थी, लेकिन सरकार ने ठोस कार्रवाई नहीं की। अब ठोस कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि हमारे और जवान शहीद न हों। हेमराज के परिवार ने इतना दर्द सहने के बाद भी बदले की बात नहीं की। वे सीमा पर ठोस कार्रवाई और पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कर रहे हैं, लेकिन संयत स्वर में। यह भारत की परंपरा है और यही भारतीय मानस का सरोकार। इस बीच भारी मन के साथ दोनों शहीद जवानों परमजीत और प्रेमसागर को अंतिम विदाई दे दी गई। शोक की इस घड़ी में भी परमजीत की पत्नी का बेटे को सीमा पर भेजने का संकल्प भी भारतीय मानस की जिजीविषा का संकेत दे रहा है।

एलओसी के पास राजौरी में आर्मी जवान ने आत्महत्या की

जम्मू

जम्मू एवं कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा से लगे लाम सेक्टर में बुधवार को सेना के एक जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। कर्नाटक मूल के 54 राष्ट्रीय राइफल्स के लांस नायक विशाल लोहर की आत्महत्या का मामला पुलिस ने दर्ज कर लिया है और इसके कारणों का पता लगाने में जुटी है। सेना ने मामले में कोर्ट ऑफ इनक्वायरी का आदेश दिया है।

कैबिनेट बैठक: फंसे कर्ज से उबरने के लिए सरकार उठाने जा रही है बड़ा कदम

नई दिल्ली

बैंकों को फंसे कर्ज के संकट से उबारने के लिए सरकार एक अध्यादेश लेकर आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने बुधवार को इस अध्यादेश के मसौदे को मंजूरी दी। अब यह अध्यादेश राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की मंजूरी के लिए भेजा गया है। राष्ट्रपति की मुहर लगने और गजट में अधिसूचना प्रकाशित होने के बाद यह कानून बन जाएगा। सरकार इस अध्यादेश के जरिए बैंकिंग नियमन कानून में संशोधन कर रही है ताकि फंसे कर्ज के संकट का सामना कर रहे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को उबारा जा सके।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का लगभग 6.60 लाख करोड़ रुपये कर्ज फंसा (एनपीए) हुआ है। पिछले तीन वर्षो से राजग सरकार ने हालात संभालने के लिए कई कदम उठाये गये हैं। आठ महीने पहले ही बैंकों व एनपीए वसूली से जुड़े अहम कानूनों (बैंकिंग नियमन, डीआरटी व सरफायसी (एसएआरएफएईएसआइ) कानूनों में बड़े संशोधन किये थे, लेकिन बात

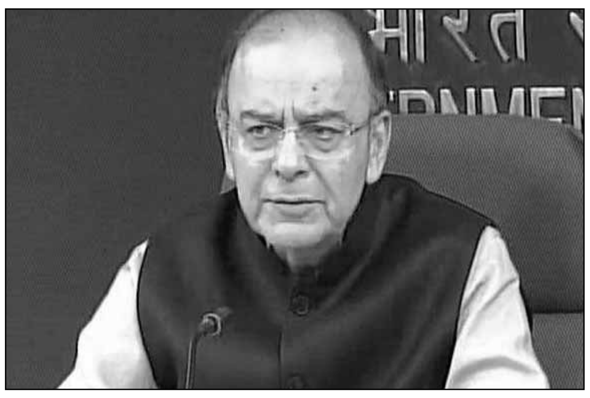

नहीं बन पाई है। अब नया कानून बैंकों को फंसे कर्जे से मुक्ति दिलाने के लिए एक नया रास्ता देगा। इससे एक विशेष समिति के गठन का रास्ता साफ होगा जो फंसे कर्जे की राशि को कम करने पर तेजी से फैसला करेगी।

यह समिति सभी बैंकों के लिए काम करेगी। साथ ही रिजर्व बैंक को एनपीए से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा अधिकार भी दिया जाएगा।

माना जा रहा है कि बड़े ग्राहकों पर बकाये राशि का बड़ा हिस्सा माफ करने का रास्ता भी नए कानून से निकलेगा। पैसा नहीं लौटाने वाली कंपनियों की परिसंपत्तियों को दूसरी कंपनियों को बहुत ही आसानी से बेचने का रास्ता भी इससे निकलेगा। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बिना कोई ब्यौरा दिए बगैर संवादाताओं से कैबिनेट ने बैंकिंग क्षेत्र के संबंध में कैबिनेट ने महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की परंपरा रही है कि जब भी कोई प्रस्ताव राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है तो उनकी मंजूरी मिलने तक इसका खुलासा नहीं किया जाता। जैसे ही इसको मंजूरी मिलती है, इसका ब्यौरा सार्वजनिक कर दिया जाएगा। नया कानून जान बूझ कर नहीं लौटाने वाले ग्राहकों पर सख्ती भी करेगा। मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो वर्षो में जान बूझ कर कर्ज नहीं लौटाने वाले 9130 ग्राहकों में से सिर्फ 620 ग्राहकों के खिलाफ ही परिसंपत्ति जब्ती का काम शुरू हो पाया है।

तीन होटलों की बागडोर राज्यों को सौंपेगी सरकार

सरकार आइटीडीसी के तीन होटलों- अशोक भोपाल, अशोक भरतपुर और अशोक ब्रह्मपुत्र की बागडोर संबंधित राज्य सरकारों को सौंपेगी। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में बुधवार को इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। फिलहाल ये तीनों होटल का प्रबंधन भारतीय पर्यटन विकास निगम (आइटीडीसी) के पास है।

सरकार अशोक भोपाल में आइटीडीसी की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी को मध्यप्रदेश सरकार को सौंपेगी, जबकि गुवाहटी स्थित होटल अशोक ब्रह्मपुत्र में हिस्सेदारी असम सरकरा को बेची जाएगी, वहीं अशोक भरतपुर का प्रबंधन राजस्थान सरकार को सौंपा जाएगा।

फिलहाल इस होटल में पूरी हिस्सेदारी राजस्थान सरकार की है, सिर्फ इसका प्रबंधन आइटीडीसी के पास है।

सरकारी गवाह से पूछताछ करने वाले पुलिस अधिकारी की गवाही साक्ष्य नहीं

नई दिल्ली

बांबे हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि शीना बोरा हत्या मामले में सरकारी गवाह श्यामवर राय से पूछताछ करने वाले पुलिस इंस्पेक्टर गणेश दलवी की गवाही को साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। न्यायमूर्ति साधना जाधव ने इस मामले में मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी और पीटर मुखर्जी की दलील को स्वीकारते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने इस बात पर सहमति जताई कि दलवी को स्वतंत्र गवाह नहीं माना जा सकता है। इंद्राणी और पीटर इंस्पेक्टर दलवी की गवाही को साक्ष्य मानने को चुनौती देने के लिए हाईकोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने इंस्पेक्टर की गवाही को कानून का उल्लंघन बताया है।

गौरक्षकों पर प्रतिबंध की मांग: सुप्रीम कोर्ट ने पांच राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गौरक्षकों पर प्रतिबंध लगाने की याचिका पर सुनवाई की, जिसके बाद इसे छह हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया। याचिका में कांग्रेस नेता तहसीन पूनावाला ने गौरक्षकों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है, जो कई राज्यों में सक्रिय हैं। खास तौर से भाजपा शासित राज्यों में जहां गौरक्षा को लेकर सख्त कानून हैं।

इससे पहले सात अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने छह राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, गुजरात, झारखंड और कनार्टक को नोटिस जारी किया था और तीन हफ्ते में जवाब मांगा था। कनार्टक सरकार ने बुधवार को इस

मामले में अपना जवाब दाखिल किया। सुप्रीम कोर्ट ने पांच अन्य राज्यों को छह हफ्ते के भीतर जवाब देने को कहा। गौरतलब है कि याचिकाकर्ता तहसीन पूनावाला ने गौरक्षा के नाम पर दलितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा रोकने की मांग की है और कहा है कि ऐसी हिंसा करने वाले संगठनों पर उसी तरह से पाबंदी लगाई जाए जिस तरह की पाबंदी सिमी जैसे संगठन पर लगी है। याचिका में कहा गया है कि देश में कुछ राज्यों में गौरक्षा दलों को सरकारी मान्यता मिली हुई है, जिससे इनके हौसले बढ़े हुए हैं। गौरक्षक संगठनों की सरकारी मान्यता समाप्त की जाए।

पर्रीकर को हराने के लिए उपचुनाव में कांग्रेस उतारेगी दमदार उम्मीदवार

पणजी

गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रीकर के खिलाफ अगामी उपचुनाव में मोर्चा खोलने का ऐलान कांग्रेस ने कर दिया है। कांग्रेस ने कहा है कि वो राज्य में जल्द होने वाले उपचुनाव में पर्रीकर के सामने अपना उम्मीदवार मैदान में उतारेगी। पर्रीकर ने पिछले दिनों विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी।

पर्रीकर ने गोवा के मुख्यमंत्री पद की शपथ इस साल 14 मार्च को ली थी। उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में प्रभार लेने के छह महीने के भीतर विधानसभा के लिए निर्वाचित होना होगा। गोवा में फरवरी में विधानसभा चुनाव हुए थे। पर्रीकर ने रक्षामंत्री के

पद से इस्तीफा देकर गोवा के मुख्यमंत्री पद को ग्रहण किया था।

करकोरम से भाजपा विधायक निलेश काब्राल और पणजी के विधायक सिद्धार्थ कुनकोलिंकर पर्रीकर के लिए अपनी-अपनी सीट छोड़ने के लिए तैयार हैं, लेकिन सुनने में आया था कि पर्रीकर ने पणजी विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी, जो उनकी परंपरागत सीट रही है, लेकिन गोवा कांग्रेस अध्यक्ष चन्द्रकांत केल्कर ने कहा, पर्रीकर चाहे किसी भी सीट से उपचुनाव के लिए मैदान में उतरें, कांग्रेस वहीं से अपना दमदार उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी ने पर्रीकर को उपचुनाव में हराने का फैसला किया है। बता दें कि भाजपा ने अभी तय यह निर्णय नहीं लिया है कि पर्रीकर किस विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। बता दें कि फरवरी में हुए गोवा विधानसभा चुनाव में कुल 40 सीटों में से कांग्रेस ने 17 और भाजपा ने 13 सीटें जीती थीं। कांग्रेस से सीटें कम होने के बावजूद भाजपा ने सरकार बना ली। भाजपा ने सभी स्थानीय पार्टी निर्दलीय उम्मीदवारें को अपने साथ मिलाकर सरकार का गठन किया।

गुजरात को कांग्रेस मुक्त करने के अभियान में जुटे अमित शाह

अहमदाबाद

गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एक ओर चुनाव होगा, जिसमें कांग्रेस के दिग्गज नेता अहमद पटेल व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के भाग्य का फैसला होगा। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर्दे के पीछे राज्यसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हैं, शाह गुजरात से कांग्रेस को जड़मूल से समाप्त करने का प्रदेश कार्यकारिणी में प्रण ले चुके हैं। लोकसभा के लिए मई 2014 में हुए चुनावों में भाजपा ने गुजरात की सभी 26 सीटों पर कब्जा जमाया था, कांग्रेस के हाथ एक भी सीट हाथ नहीं लगी थी। गुजरात से राज्यसभा की 11 सीट में से फिलहाल 2 सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजकीय सचिव अहमद पटेल व वरिष्ठ नेता मधुसुदन मिस्त्री गुजरात से राज्यसभा सांसद हैं। अहमद पटेल व केन्द्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी तथा सांसद दिलीप पंड्या को अगस्त 2011 में राज्यसभा सांसद के रूप में चुना गया था। इनका कार्यकाल अगस्त 2017 को पूरा होगा। भाजपा का प्रयास है कि लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी गुजरात से कोई कांग्रेस नेता नहीं पहुंचे। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह विधानसभा चुनाव के साथ पर्दे के पीछे राज्यसभा चुनाव की गणित बिठाने में लगे हैं ताकि अहमद पटेल को रोका जा सके।

आप से बाहर हुए अमानतुल्लाह, विश्वास बनाए गए राजस्थान के प्रभारी

नई दिल्ली

पिछले कई दिनों से जारी आम आदमी पार्टी का सियासी घमासान खत्म हो गया। अरविंद केजरीवाल के घर हुई आम आदमी पार्टी की पीएसी की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। ओखला से आप विधायक अमानतुल्लाह खान को पार्टी से बाहर कर दिया गया है, जबकि कुमार विश्वास को राजस्थान का प्रभारी नियुक्त किया गया है। बैठक में केजरीवाल के साथ कुमार विश्वास, मनीष सिसौदिया, आतिशी मार्लिन, संजय सिंह, गोपाल राय और आशुतोष शामिल हुए।

मीटिंग के बाद आप के मीडिया मैनेजर विकास योगी ने ट्वीट कर सभी नेताओं की तस्वीर साझा की. विकास ने अपने ट्वीट में लिखा जय हिंद।

बैठक के बाद कुमार विश्वास ने ट्वीट कर पार्टी में गहराये विवाद को दूर करने का संकेत देते हुये लिखा कि यदि अंधकार से लड़ने का कोई संकल्प कर लेता है तो एक अकेला जुगनू भी सब अंधकार हर लेता है। लड़ेंगे जीतेंगे, आभार, भारत माता की

जय।

बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि खान के बयान की जांच के लिये पार्टी नेता पंकज गुप्ता की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। जांच की रिपोर्ट के आधार पर खान के पार्टी में भविष्य का फैसला किया जायेगा। सिसोदिया ने कहा कि विश्वास की जिम्मेदारी में बढ़ोतरी करते हुये उन्हें राजस्थान का प्रभारी बनाया गया है। राजस्थान में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सिसोदिया ने विश्वास की नाराजगी अब दूर होने का भरोसा जताते हुये कहा कि नेताओं के बीच भ्रम की स्थिति अब समाप्त हो गयी है। इससे पहले केजरीवाल और सिसोदिया ने विश्वास से उनके गाजियाबाद स्थित घर पर मुलाकात कर गिले शिकवे मिटाने की निर्णायक पहल की थी।

सूत्रों के मुताबिक पीएसी की बैठक में विश्वास लगातार पार्टी के संविधान का हवाला देकर एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत को लागू करने की मांग पर अडिग थे। इसे लागू करने पर केजरीवाल पर पार्टी संयोजक या मुख्यमंत्री पद में से किसी एक को छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा था। समझा जाता है कि विश्वास का साथ दे रहे लगभग दर्जन भर विधायकों ने एक अन्य फार्मूले का सुझाव देते हुये उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की।

कहां से शुरू हुआ विवाद

ओखला से आप विधायक अमानतुल्लाह ख़ान ने कुमार विश्वास को बीजेपी और आरएसएस का एजेंट बताया था। उन पर पार्टी तोड़ने का आरोप लगाया था, जिसके बाद कुमार विश्वास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि अमानतुल्लाह ख़ान मुखौटा हैं पीछे कोई और है। बाद में कुमार विश्वास को मनाने की कोशिश शुरू हुई। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया उनसे मिले और आज आम आदमी पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में कुमार विश्वास शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि उन्हें किसी पद का लालच नहीं है। इससे पहले मंगलवार को मीडिया से बातचीत में भावुक होते हुए कुमार विश्वास ने कहा था कि 24 घंटे में तय कर लेंगे कि आगे क्या करना है आम आदमी पार्टी में विवाद के मद्देनजर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देर रात आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता कुमार विश्वास से मुलाकात की। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया गाजियाबाद में कुमार विश्वास के घर पहुंचे थे।

कुछ देर की बातचीत के बात केजरीवाल कुमार विश्वास को अपने घर ले गए। केजरीवाल ने कहा था कि कुमार विश्वास की कुछ नाराज़गियां हैं, लेकिन उन्हें पूरा यकीन है कि कुमार मान जाएंगे। इससे पहले कपिल मिश्रा, संजय सिंह, आशुतोष, अवतार सिंह कुमार विश्वास को मनाने उनके घर पहुंचे थे।

दैनिक पंचांग

04 मई 2017 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

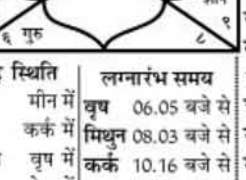

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मीन में
चंद्र	कर्क में
मंगल	वृष में
बुध	मेष में
गुरु	कन्या में
शुक्र	मीन में
शनि	धनु में
राहु	सिंह में
केतु	कुंभ में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.05 बजे से
मिथुन	08.03 बजे से
कर्क	10.16 बजे से
सिंह	12.33 बजे से
कन्या	14.44 बजे से
तुला	16.55 बजे से
वृश्चिक	19.10ब.से
धनु	21.26 बजे से
मकर	23.31 बजे से
कुंभ	1.18 बजे से
मीन	02.51 बजे से
मेष	04.21 बजे से

गुरुवार 2017 वर्ष का 131 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2074
शक संवत् 1939
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 19.30 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 05.02 बजे प्रात: को समाप्त।
योग वृद्धि 16.32 बजे को समाप्त।
करण बालव 7.36 बजे तदनन्तर कौलव 19.30 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 57'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1869412
जूलियन दिन 2457877.5
कलियुग संवत् 5119
कल्पारंभ संवत् 1972949117
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885117
वीरनिर्वाण संवत् 2543
हिजरी सन् 1438
महीना सावान **तारीख** 07
विशेष सीता नवमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06.01 से	07.30 बजे तक	अमृत	06.01 से	07.30 बजे तक
रोग	07.31 से	09.00 बजे तक	चर	07.31 से	09.00 बजे तक
उद्वेग	09.01 से	10.30 बजे तक	रोग	09.01 से	10.30 बजे तक
चर	10.31 से	12.00 बजे तक	काल	10.31 से	12.00 बजे तक
लाभ	12.01 से	01.30 बजे तक	लाभ	12.01 से	01.30 बजे तक
अमृत	01.31 से	03.00 बजे तक	उद्वेग	01.31 से	03.00 बजे तक
काल	03.01 से	04.30 बजे तक	शुभ	03.01 से	04.30 बजे तक
शुभ	04.31 से	06.00 बजे तक	अमृत	04.31 से	06.00 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

आपका राशिफल 04 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

प्रसंगत: पाप और पुण्य

यह घटना सन 1899 की है । उन दिनों कोलकाता में प्लेग फैला हुआ था। शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जहां यह बीमारी न पहुंची हो। तकरीबन हर घर में कोई न कोई प्राणी इस बीमारी से पीड़ित था। घर के सभी सदस्य अपने मरीजों की तीमारदारी में जुटे हुए थे और खुद को इस महामारी की चपेट में आने से बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे थे। पर उन दिनों प्लेग की महामारी बढ़ती रही जिससे अनेक लोगों की असमय ही मौत हो रही थी। इससे चारों तरफ त्राहि-त्राहि मच गई। जिस घर में किसी की मृत्यु होती थी, वहां चीख-पुकार मच जाती थी। सभी परेशान थे। ऐसी विकट स्थिति में भी स्वामी विवेकानंद और उनके कई शिष्य रोगियों की सेवा-सुश्रुषा में जुटे हुए थे। वे अपने हाथों से नगर की गलियां और बाजार साफ करते थे और जिस घर में प्लेग कोई मरीज होता था, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते थे। साथ ही वे उनके परिवारजनों को सांत्वना भी देते थे। उसी दौरान कुछ लोगों की मंडली स्वामी विवेकानंद के पास आई। मंडली का मुखिया उनसे बोला, 'स्वामीजी, इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है, इसीलिए प्लेग की महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। पर आप ऐसे लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।' मंडली के मुखिया की ऐसी बातें सुनकर स्वामी जी गंभीरता से बोले, 'सबसे पहले तो मैं आप सब विद्वानों को नमस्कार करता हूं।' इसके बाद स्वामी जी बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है । ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है । अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो हमारे जो सेवक और कार्यकर्ता इन लोगों की मदद कर रहे हैं वे तो पुण्य के भागी बन रहे हैं। अब बताइए कि इस संदर्भ में आपको क्या कहना है?' स्वामी विवेकानंद की बात सुनकर उस मंडली के सभी लोग भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

यह दैनिक प्रकाशक, मुद्रक एवं मालिक एड. अरुण कोटेचा द्वारा देश प्रेस, 85, हनुमाननगर, नागपुर यहां छपवाकर 1, पंचशील सिनेमा बिल्डिंग, वर्धा रोड, नागपुर - 440012 यहां से प्रकाशित किया।
संपादक - एड. अरुण कोटेचा, फोन नं. 2541300/2562837 फॅक्स : (0712) 2541300 email : vikibaat@gmail.com/vikibaat@rediffmail.com R.N.I.No.MAH HIN/2000/6262

सूचना - 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित सभी लेखों पर संपादक की अनुमति हो यह अनिवार्य नहीं है। 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित किसी भी लेख पर यदि आपत्ति हो तो उसके विरुध्द केवल नागपुर न्यायालय में ही कार्रवाई होगी।